

सौंफ उत्पादन

चर्चा में क्यों?

तीन वर्ष के लंबे शोध के बाद यह बात सामने आई है कश्मिर के चार रीगसितानी ज़िले, जहाँ कसिान सचिाई के लयि लवणीय जल पर नरिभर हैं, **सौंफ** उत्पादन का केंद्र बन सकते हैं।

- यह शोध बीकानेर, नागौर, चूरू और बाडमेर ज़िलों में कयिा गया।

मुख्य बडि:

- टैक्सोनॉमिक रूप से फोनीकुलम वलगेर के रूप में वर्गीकृत, सौंफ एक कठोर, बारहमासी औषधीय पौधा है जिसमें पीले फूल और फर के समान पत्तियाँ होती हैं।
- भारत में सौंफ का उत्पादन करने वाले प्रमुख राज्य **राजस्थान और गुजरात** हैं, जहाँ कुल उत्पादन का लगभग 96% उत्पादन कयिा जाता है।
 - राजस्थान में, **सौंफ की सबसे अधिक खेती नागौर ज़िले** में की जाती है, जो **10,000 हेक्टेयर में फैला** हुआ है। इसकी खेती **सरिाही, जोधपुर, जालौर, भरतपुर और सवाई माधोपुर** ज़िलों में भी की जाती है।
- शोध में वभिन्नि प्रकार की सौंफ की कस्मों की उपज का अध्ययन कयिा गया, जिसमें लवणीय जल की सहनशीलता का परीक्षण शामिल है तथा इसके उत्साहवर्धक परणाम प्राप्त हुए हैं।
 - सौंफ की कस्म, **RF-290, लवणीय जल की सचिाई** के लयि उपयुक्त पाई गई।
- लवणीय जल के साथ **ड्रिप सचिाई** से सौंफ उत्पादन में **वसितार** कयिा जा सकता है तथा उत्पादकता में वृद्धि की जा सकती है और **मसालों की कृषि करने वाले कसिानों के लयि** लाभकारी हो सकती है।
- कयिे गए शोध के अनुसार, **प्रायोगिक सचिाई से प्रति हेक्टेयर लगभग नौ क्वटिल सौंफ का उत्पादन** कयिा जा सकता है तथा जनि कषेत्रों में **ट्यूबवेल के माध्यम से खेती** की जाती है, वहाँ भी सौंफ का अधिक उत्पादन कयिा जा सकता है।



//

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/fennel-production-in-rajasthan>

